जब टूट जाता हूँ,
गम के जमाने में,
श्यामा जू बुला लेती,
मुझको बरसाने में,
लाड़ली करती मुझे इतना प्यार,
आ जाता बैचेन दिल को करार।।

तर्ज मिलना हमें तुमसे।

मुझे गिरने ना देती,
झट थाम लेती है,
गोदी में बिठा कर के,
आराम देती है,
लाड़ली करती मुझे इतना प्यार,
आ जाता बैचेन दिल को करार।।

मुझे रोने ना देती,
झट चुप कराती है,
आंचल में छुपा कर के,
मुझ को सहलाती है,
लाड़ली करती मुझे इतना प्यार,
आ जाता बैचेन दिल को करार।।

जीवन में अंधियारी जब,

शाम आती है,
पूनम का बन कर चांद,
श्यामा जू आती है,
लाड़ली करती मुझे इतना प्यार,
आ जाता बैचेन दिल को करार।।

जन्नत में क्या रख्खा,
सब खाक जमाने में,
कहीं और नहीं मिलता,
जो सुख बरसाने में,
लाड़ली करती मुझे इतना प्यार,
आ जाता बैचेन दिल को करार।।

जब टूट जाता हूँ,
गम के जमाने में,
श्यामा जू बुला लेती,
मुझको बरसाने में,
लाड़ली करती मुझे इतना प्यार,
आ जाता बैचेन दिल को करार।।

स्वर साध्वी पूर्णिमा दीदी जी।
प्रेषक अमित राजपूत।
7535035135

Source: https://www.bharattemples.com/jab-toot-jata-hoon-gam-ke-jamane-mein/

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw